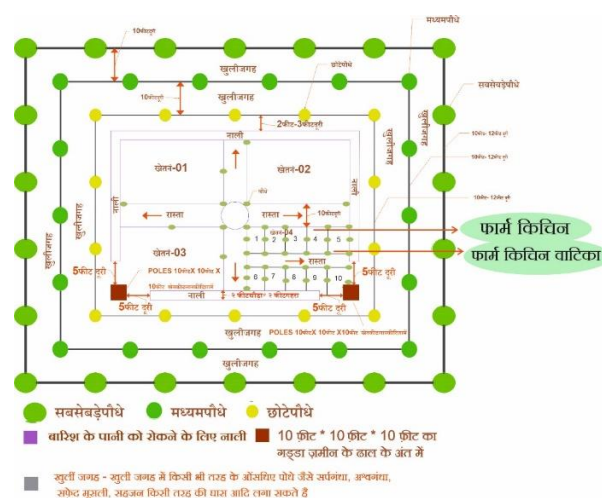


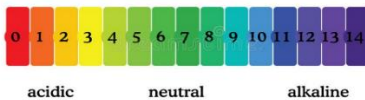
आकाश चौरसिया मो. 9179066275



स. क्र	मटेरियल का नाम/ पोधे	पहचान फोटो	उपयोगिता
1	नीम पाउडर (500 किलो ग्राम प्रति एकड़)		यह ऑसधीये गुणो से भरपूर होती है इसे भूमि उपचार के लिए प्रयोग में लाया जाता है।
2	चूना पाउडर (100 किलो पर एकड़)		यह छारीये गुण का होता है एसका उपयोग भूमि उपचार में किया जाता है।
3	लाल मिर्ची पाउडर (2 किलो प्रति एकड़)		यह कीड़ों को नियंत्रित करने में सहायक होता है और बीज उपचार के लिए उपयोग किया जाता है।
4	धनिया पाउडर (500 ग्राम पर एकड़)		एसमे एंटी फ़ंगल प्रोपर्टी होती है एसका उपयोग बीज उपचार के लिए किया जाता है।
5	राख (गाय के गोबर से बनी 100 किलो प्रति एकड़)		इसमें पोटेशियम, फॉस्फेट, जिंक सल्फर आदि होता है यह पोधो की बड़वार और कीड़े नियंत्रित करने में सहयोगी होता है।

6	चूना पत्थर (10 किलो ग्राम प्रति एकड़)		यह कैल्शियम गुणों से भरपूर है यह छारिए प्रवृत्ति का होता है इसका उपयोग बैक्टीरियल और फंगल बीमारी को नियंत्रित करने में किया जाता है।
7	रॉक फॉस्फेट पाउडर (500 से 1000किलो प्रति एकड़)		यह एक मिनेरल्स है को खदानों से निकलता है । इसको गोबर के साथ मिक्स करके फोस्फॉकंपोस्ट खाद बनाई जाती है एवम् इसका उपयोग मिट्टी की अम्लीय प्रवृत्ति होने पर भूमि के उपचार में भी किया जाता हैं।
8	नीम तेल (लगभग 5 लीटर प्रति एकड़)		इसका उपयोग कीट नियंत्रण में किया जाता हैं।
9	शहद (500 ग्राम प्रति एकड़)		इसमें लाभकारी इंजाइम ओर एसिड्स पाई जाती हैं यह पौधों में कम फूल आना ,फूल झड़ना एवं फल झड़ने को स्थिति को रोकने में किया जाता है।
10	काली उड़द दाल (10 से 15 किलो प्रति एकड़)		इसमें फर्मेंटेशन के गुण पाए जाते हैं । इसको वेस्ट डीकंपोजर व मटका खाद के लिए किया जाता हैं।

11	देशी गाय की छाछ (50 लीटर प्रति एकड़)		यह एसिडिक नेचर की होती हैं इसमें एंटी फंगल व एंटी वायरल गुण पाए जाते हैं इसका उपयोग कीट नियंत्रण, फंगस और वाइरस को नियंत्रित करने में किया जाता हैं।
12	बेकिंग सोडा (200 ग्राम प्रति एकड़)		इसका उपयोग तेल को पानी में घुलशील बनाने में किया जाता हैं।
13	खड़ा नमक (5 किलो प्रति एकड़)		इसके अंदर पोटेशियम युक्त गुण होते हैं और इसका उपयोग कचरे में मिलकर जैविक पोटाश बनाने में किया जाता है।
14	पुराना गुड़ (20 किलो प्रति एकड़)		इसके अंदर ग्लूकोज और एनर्जी भरपूर मात्रा में होती हैं इसका उपयोग मिट्टी के बैक्टीरिया की संख्या बढ़ाने वा इन्हे ताकतवर बनाने में इसका उपयोग किया एवं जैविक खाद निर्माण विधियों में भी इसका उपयोग किया जाता हैं।
15	सरसों की खल (50 किलो प्रति एकड़)		इसके अंदर गंधक, मैग्नीशियम और बोरॉन तत्व होते हैं इसका उपयोग मटका खाद एवं अन्य जैविक खादों में प्रयोग किया जाता है।

16	पी. एच पेपर (एक पीस पर एकड़)	pH scale  acidic neutral alkaline	इसका उपयोग मिट्टी का और पानी का पी.एच मान निकालने के लिए किया जाता हैं।
17	भारतीय गाय का मूत्र (200 लीटर प्रति एकड़)		यह एक एंटीबायोटिक, एंटीफंगल, एंटीबैक्टीरियल और एंटीवायरल है, इसका उपयोग इन्सेक्ट को कंट्रोल करने, मटका खाद, मिट्टी का पी. एच कम करने व बहुत सारी दवाएं बनाने में किया जाता है।
18	फिटकरी (1 किलो प्रति एकड़)		इसका उपयोग इन्सेक्ट को कंट्रोल करने में किया जाता है।
19	करंज तेल (2 लीटर प्रति एकड़)		इसका उपयोग रसचुसक कीटों को कंट्रोल करने और सफेद मक्खी को नियंत्रित करने में किया जाता है।
20	डिस्टिल वाटर (न्यूट्रल पानी) (1 लीटर प्रति एकड़)		यह मिट्टी के पी. एच मान निकालने के लिए किया जाता हैं।

21	नीम का पोधा (तीन पोधे प्रति एकड़)		इसकी पत्तियों का उपयोग कम्पोस्ट, कीट नियंत्रण में एवं दीमक को नियंत्रित करने में भी किया जाता हैं।
22	करंज का पोधा (दो पोधे प्रति एकड़)		इसका उपयोग मिट्टी जनित बीमारियों को नियंत्रित एवं कीट नियंत्रण में किया जाता है।
23	धतूरा का पोधा (5 पोधे प्रति एकड़)		इसकी पत्तियां और फल कीट नियंत्रण में प्रयोग किए जाते हैं।
24	मदार (स्वेत अर्क) (2 पोधे प्रति एकड़)		इसकी पत्तियां का अर्क कीट नियंत्रण प्राकृतिक तरीके से कीट नियंत्रण में प्रयोग किया जाता हैं।
25	सीताफल का पोधा (2 पोधे प्रति एकड़)		इसकी पत्तियों में लिस लिसा पन पाया जाता हैं जो रस चूसक कीड़ों को नियंत्रित करने में मदद करता है।

26	बेशरम का पोधा (2 पोधे प्रति एकड़)		इसकी पत्तियां कुदरती जहरीली होती हैं इसका उपयोग तना छेदक कीटों को कंट्रोल करने में किया जाता है।
27	बेलपत्र का पोधा (1 पोधा प्रति 5 एकड़)		इसकी पत्तियों और फलों में पोटेशियम और बोरॉन तत्व पाए जाते हैं इसका उपयोग तरल व पोटाश और बोरॉन युक्त खाद बनाने में किया जाता है।
28	बरगद का पोधा (1 पोधा प्रति 5 एकड़),(बरगद, बास और ऊमर में से कोई एक)		इसकी पत्तियों में सेल्यूलोज अधिक मात्रा में पाया जाता है इसका उपयोग मिट्टी के बैक्टीरिया को बढ़ाने वाले जैविक खादों में किया जाता है।
29	बास का पोधा (1 पोधा प्रति एकड़),(बरगद, बास और ऊमर में से कोई एक)		इसकी पत्तियों में सेल्यूलोज अधिक मात्रा में पाया जाता है इसका उपयोग मिट्टी के बैक्टीरिया को बढ़ाने वाले जैविक खादों में किया जाता है।
30	ऊमर का पोधा (1 पोधा प्रति 5 एकड़),(बरगद, बास और ऊमर में से कोई एक)		इसकी पत्तियों में सेल्यूलोज अधिक मात्रा में पाया जाता है इसका उपयोग मिट्टी के बैक्टीरिया को बढ़ाने वाले जैविक खादों में किया जाता है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया संपर्क करें, उन्नत कृषि अभियान परिसद
आकाश चौरसिया
मो. +919179066275